Financial Assistance given by Syndicate Bank to Pushpak Aviation Private Ltd.

4862. SHRI H. N. NANJEE GOWDA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whethr under the Banking rules, banks can finance private companies for the purchase of second hand helicopters;

(b) if so, whether the Syndicate Bank Bombay have financed the Pushpak Aviation Limited Bombay for the purchase of second hand helicopters;

(c) if so, the total amount advanced to this company for purchasing helicopters and aircrafts with details thereof; and

(d) the reasons for advancing huge sums to them?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): (a): Subject to the satisfaction on usual viability norms and the priority of the purpose of the advance there is no bar to banks financing private companies for purchase of second hand helicopters and air-crafts.

(b) to (d): In accordance with the practices and usages customary among bankers and also in accoruance with the provisions of the Statute governing the public sector banks, information relating to individual constituents of the banks cannot be divulged.

12.00 hrs.

MR. SPEAKER: Papers to be laid. Shri Pranab Mukherjee.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : आप हमारी बात सुन लीजिए । हम ने लिख कर दिया है ।

अध्यक्ष महोदय : आप को इत्तिला दे दी गई है ।

श्री रामावतार शास्त्री : आप हमारी बात तो सुन लीजिए । आप पढ़ कर सुना दीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : आप को यह शोभा नहीं देता है । मैंने सुना है, तभी कहा है ।

व्यवधान**

अध्यक्ष महोदय : यह कोई बात नहीं है । This is not the way to raise any question. I am not going to allow anything like this.

..**(व्यवधान)****

अध्यक्ष महोदय होम मिनिस्ट्री की डिमाण्ड्स आने वाली हैं, तब आप कह लीजिए ।

MR. SPEAKER: Nothing is to be recorded without my permission, not a single word... (*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : क्या चाहते हैं आप ? ऐसा क्यों कर रहे हैं । यह एक ट्रेडीशन सा बन गया है क्या ? आप नोटिस दीजिए ।

(व्यवधान) **

अध्यक्ष महोदय : जो मर्जी हो, कहिए, रामावतार शास्त्री जी, । यह बात गलत है, जो आप कर रहे हैं ।

(व्यवधान) **

अध्यक्ष महोदय : मैं क्या सुनूं । आप को यह शोभा नहीं देता है । यह कोई अच्छी बात नहीं है ।

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : नहीं. मैं बिल्कुल नहीं मानता । आप बैठिये । आप ने एडजोर्नमेंट मोशन का नोटिस दिया ...

(व्यवधान) **

अध्यक्ष महोदय : क्यों सुन लूं । कोई जरूरत सुनने की नहीं है ।

..**(व्यवधान)** **

अध्यक्ष महोदय : श्री हाल्दर ।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): I have given a Calling Attention Notice about Delhi dacoities. Would you allow that?

**Not recorded.